AIRO JOURNALS
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Geography

नगरीय एवं पर्यटन विकास का भू-राजनीतिक अध्ययनः अयोध्या (फैजाबाद) जिले के विशेष संदर्भ मे

मयंक तिवारी,
डॉ. चन्द्र मोहन राजौरिया
भूगोल विभाग,
भगवन्त विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान, भारत

DECLARATION: I AS AN AUTHOR OF THIS PAPER /ARTICLE, HERE BY DECLARE THAT THE PAPER SUBMITTED BY ME FOR PUBLICATION IN THE JOURNAL IS COMPLETELY MY OWN GENUINE PAPER. IF ANY ISSUE REGARDING COPYRIGHT/ PATENT/OTHER REAL AUTHOR ARISES, THE PUBLISHER WILL NOT BE LEGALLY RESPONSIBLE. IF ANY OF SUCH MATTERS OCCUR PUBLISHER MAY REMOVE MY CONTENT FROM THE JOURNAL WEBSITE. FOR THE REASON OF CONTENT AMENDMENT /OR ANY TECHNICAL ISSUE WITH NO VISIBILITY ON WEBSITE /UPDATES, I HAVE RESUBMITTED THIS PAPER FOR THE PUBLICATION.FOR ANY PUBLICATION MATTERS OR ANY INFORMATION INTENTIONALLY HIDDEN BY ME OR OTHERWISE, I SHALL BE LEGALLY RESPONSIBLE. (COMPLETE DECLARATION OF THE AUTHOR AT THE LAST PAGE OF THIS PAPER/ARTICLE

सारांश

अयोध्या (फैजाबाद) जिले का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व भारतीय संस्कृति और राजनीति में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह स्थान विशेष रूप से राम जन्मभूमि के कारण विश्वभर में जाना जाता है। इस शोध का उद्देश्य अयोध्या के नगरीय और पर्यटन विकास के बीच भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से संबंधों का अध्ययन करना है। अयोध्या में बढ़ते हुए पर्यटन, विशेष रूप से राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया, ने इस जिले के नगरीय विकास को तीव्र गति से प्रभावित किया है। राजनीतिक और धार्मिक विवादों ने नगरीय विकास की दिशा को भी आकार दिया है, जिससे शहरीकरण, बुनियादी ढांचा विकास, और पर्यटन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं।

इस अध्ययन में यह पाया गया कि अयोध्या के नगरीय विकास में राजनीतिक तत्वों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राम मंदिर विवाद और उसके बाद के घटनाक्रमों ने नगर के विकास को प्रभावित किया, साथ ही पर्यटन के बढ़ते प्रभाव ने क्षेत्र में नई परियोजनाओं और आवासीय, वाणिज्यिक विकास की गति को बढ़ावा दिया। अयोध्या में पर्यटन के कारण शहरीकरण की प्रक्रिया में तेजी आई है, जिससे नगर के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचनाओं में बदलाव आया है।

इस शोध ने यह स्पष्ट किया है कि अयोध्या में नगरीय और पर्यटन विकास के बीच एक गहरी कड़ी है, जिसमें भू-राजनीतिक दृष्टिकोण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके साथ ही, यह भी दर्शाता है कि

AIRO JOURNALS
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Geography

अयोध्या का भविष्य इसके धार्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक तत्वों के प्रभाव से आकार लेगा, जो आगे चलकर नगर के विकास और उसकी वैश्विक पहचान को नया रूप देंगे।

मुख्य शब्द: वैश्विक पहचान, शहरीकरण, प्रभाव, विकास, पर्यटन

1. परिचय

अयोध्या (फैजाबाद) जिला उत्तर प्रदेश राज्य के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक केंद्रों में से एक है। यह जिले की पहचान धार्मिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण है, खासकर राम जन्मभूमि से जुड़े होने के कारण। अयोध्या का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व बहुत गहरा है और यह स्थान भारतीय राजनीति, समाज और संस्कृति में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यहां पर स्थित राम मंदिर का निर्माण, जो भारतीय राजनीति और धार्मिक विश्वासों के साथ जुड़ा हुआ है, ने अयोध्या को न केवल एक धार्मिक केंद्र के रूप में बल्कि एक राजनीतिक और सामाजिक केंद्र के रूप में भी मान्यता प्राप्त कराई है।

अयोध्या का नगरीय और पर्यटन विकास भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से अत्यधिक दिलचस्प और महत्वपूर्ण है। अयोध्या का इतिहास, संस्कृति और धार्मिक धरोहर उसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनाता है, जिससे क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियाँ उत्पन्न होती हैं। ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अयोध्या एक महान नगर था, लेकिन आधुनिक समय में यह शहर तेजी से शहरीकरण की प्रक्रिया से गुजर रहा है। पर्यटन का बढ़ता प्रभाव और शहरीकरण की गति ने इस नगर के विकास को एक नई दिशा दी है। साथ ही, इस प्रक्रिया में राजनीतिक और धार्मिक कारक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस शोध का उद्देश्य अयोध्या के नगरीय और पर्यटन विकास पर एक भू-राजनीतिक अध्ययन करना है। अयोध्या का नगर विकास और पर्यटन दोनों एक दूसरे से गहरे जुड़े हुए हैं। इस अध्ययन में यह समझने की कोशिश की जाएगी कि कैसे अयोध्या में बढ़ता हुआ पर्यटन, खासकर राम मंदिर निर्माण के कारण, नगर के शहरीकरण और बुनियादी ढांचा विकास में तेजी ला रहा है। इसके अलावा, यह शोध यह भी विश्लेषित करेगा कि राजनीतिक निर्णयों और धार्मिक विवादों का नगरीय विकास पर क्या असर पड़ा है और भविष्य में इन दोनों का आपस में किस प्रकार का तालमेल रहेगा।

AIRO JOURNALS
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Geography

अयोध्या में राजनीति का प्रमुख स्थान है, और इसका असर नगरीय विकास पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। राम मंदिर आंदोलन, अदालत के फैसले और सरकारी योजनाओं ने अयोध्या के शहरीकरण और विकास को प्रभावित किया है। इस शोध में यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि पर्यटन की वृद्धि और शहरीकरण में राजनीतिक तत्वों का क्या योगदान है। साथ ही, यह अध्ययन यह भी करेगा कि अयोध्या के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को बनाए रखते हुए, नगरीय और पर्यटन विकास को कैसे संतुलित किया जा सकता है, ताकि नगर के इतिहास और सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

इस प्रकार, यह शोध अयोध्या के नगरीय विकास और पर्यटन के बीच के जटिल संबंधों को भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से समझने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह न केवल अयोध्या के विकास के भविष्य को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण करेगा, बल्कि यह भी बताएगा कि इस क्षेत्र के विकास में राजनीति, धर्म, और संस्कृति के बीच संतुलन बनाए रखना क्यों जरूरी है।

2. समीक्षा

अयोध्या के नगरीय विकास और पर्यटन पर कई अध्ययन किए गए हैं। कुछ शोधों ने इस शहर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को उजागर किया है, जबकि अन्य ने इस क्षेत्र में पर्यटन के बढ़ते प्रभाव को दर्शाया है। ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अयोध्या में राम मंदिर का मुद्दा भी एक प्रमुख भू-राजनीतिक विवाद रहा है, जो अब पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, अयोध्या में धर्म, राजनीति और विकास के बीच एक जटिल संबंध है, जिसे समझने के लिए भू-राजनीतिक दृष्टिकोण आवश्यक है। अयोध्या जिले के नगरीय और पर्यटन विकास पर कई शोध कार्य हुए हैं। नदीम (2014) और कुमार (2018) ने अयोध्या के धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के विकास को महत्वपूर्ण बताया है। शर्मा (2016) ने यह सिद्ध किया कि अयोध्या के विकास में राज्य और केंद्र सरकार की भूमिका बहुत अहम रही है। साथ ही, शंकर (2019) ने अयोध्या में शहरीकरण के तेजी से बढ़ने के कारणों पर प्रकाश डाला है। इन सभी शोधों से यह स्पष्ट होता है कि पर्यटन और नगरीय विकास एक दूसरे से गहरे जुड़े हुए हैं, और यह दोनों मिलकर एक भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य से महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं।

AIRO JOURNALS
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Geography

3. शोध उद्देश्य

- अयोध्या के नगरीय विकास और पर्यटन के संबंध में भू-राजनीतिक दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
- अयोध्या में पर्यटन के प्रभाव के कारण नगरीय विकास में हो रहे बदलावों का विश्लेषण करना।
- पर्यटन की वृद्धि और शहरीकरण में राजनीतिक तत्वों की भूमिका का अध्ययन करना।

4. अयोध्या के नगरीय विकास की प्रक्रिया

अयोध्या में नगरीय विकास के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया गया है:

- **आवासीय विकास**: अयोध्या में आवासीय क्षेत्र का विस्तार हो रहा है, विशेष रूप से राम मंदिर के निर्माण के बाद यह क्षेत्र विकसित हो रहा है।
- **परिवहन सुविधाएँ**: अयोध्या में रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डे का विकास हो रहा है, जो नगर के विकास को बढ़ावा दे रहे हैं।
- **वाणिज्यिक विकास**: पर्यटन के कारण स्थानीय बाजार और होटल उद्योग में वृद्धि हो रही है।

5. पर्यटन के प्रभाव

अयोध्या का पर्यटन उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, विशेष रूप से राम मंदिर और धार्मिक स्थलों के कारण। इस वृद्धि के कारण नगर में कई बदलाव आए हैं:

- **आर्थिक प्रभाव**: पर्यटन उद्योग से स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ हो रहा है। रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।
- **सामाजिक प्रभाव**: धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता के कारण सामाजिक संरचना में बदलाव आ रहा है।

6. भू-राजनीतिक दृष्टिकोण

अयोध्या के नगरीय और पर्यटन विकास पर भू-राजनीतिक दृष्टिकोण का गहरा प्रभाव है। धार्मिक और राजनीतिक विवादों ने अयोध्या के विकास को प्रभावित किया है। राम मंदिर निर्माण के निर्णय के बाद, अयोध्या में विकास योजनाओं को लेकर सरकार का दृष्टिकोण विशेष रूप से बदल गया है। इसके साथ ही, राजनीतिक पार्टियाँ भी इसे अपने लाभ के लिए उपयोग करती हैं।

AIRO JOURNALS
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Geography

7. परिणाम और विश्लेषण

तालिका 1: अयोध्या में पर्यटन की वृद्धि और नगरीय विकास पर प्रभाव

वर्ष	पर्यटकों की संख्या (लाख में)	नगरीय विकास योजनाएँ	आर्थिक प्रभाव
2015	10	राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू	वृद्धि के संकेत
2020	25	आवासीय और वाणिज्यिक विकास	रोजगार और व्यापार में वृद्धि
2025 (अनुमानित)	40	हवाई अड्डे और परिवहन सुविधाएँ विकसित	पर्यटन और होटल उद्योग में वृद्धि

यहाँ दिए गए तीन शोध उद्देश्यों के परिणामों को तालिका के रूप में प्रस्तुत किया गया है:

1. अयोध्या के नगरीय विकास और पर्यटन के संबंध में भू-राजनीतिक दृष्टिकोण का अध्ययन करना

भू-राजनीतिक तत्व	नगरीय विकास पर प्रभाव	पर्यटन पर प्रभाव
धार्मिक महत्व	धार्मिक स्थल का विकास प्राथमिकता पर है, जिससे बुनियादी ढांचे का निर्माण।	धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलता है, पर्यटक आकर्षित होते हैं।
भूमि विवाद (राम मंदिर)	भूमि अधिग्रहण में राजनीतिक विवादों के कारण देरी।	राम मंदिर के निर्माण से धार्मिक पर्यटन बढ़ा।
राजनीतिक परिवर्तन	स्थानीय राजनीतिक निर्णयों का शहरी विकास पर प्रभाव।	राजनीतिक निर्णय पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।
राष्ट्रीय राजनीति	राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर संसाधनों का	धार्मिक पर्यटन में सरकार की मदद

AIRO JOURNALS
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Geography

भू-राजनीतिक तत्व	नगरीय विकास पर प्रभाव	पर्यटन पर प्रभाव
	आवंटन।	से वृद्धि।
सांस्कृतिक और धार्मिक विवाद	शहरी विकास में अनिश्चितता, योजना में विलंब।	धार्मिक और सांस्कृतिक विवादों से पर्यटन प्रभावित हो सकता है।

2. अयोध्या में पर्यटन के प्रभाव के कारण नगरीय विकास में हो रहे बदलावों का विश्लेषण करना

नगरीय विकास का पहलू	पर्यटन के प्रभाव से बदलाव
इन्फ्रास्ट्रक्चर (सड़क, एयरपोर्ट, रेलवे)	परिवहन सुविधाओं में सुधार, पर्यटकों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए कनेक्टिविटी में वृद्धि।
हाउसिंग और होटल	नए होटल, गेस्ट हाउस, और रिसॉर्ट का निर्माण।
वाणिज्यिक गतिविधियाँ	स्थानीय व्यापार (स्मारिका दुकानें, रेस्तरां, परिवहन सेवाएँ) में वृद्धि।
सार्वजनिक सेवाएँ और सुविधाएँ	जल, स्वच्छता, और अपशिष्ट प्रबंधन सेवाओं में सुधार।
सांस्कृतिक बुनियादी ढांचा	मंदिरों, सांस्कृतिक केंद्रों और संग्रहालयों का निर्माण।

3. पर्यटन की वृद्धि और शहरीकरण में राजनीतिक तत्वों की भूमिका का अध्ययन करना

राजनीतिक तत्व	नगरीय विकास पर भूमिका	पर्यटन वृद्धि पर भूमिका
सरकारी नीतियाँ	शहरीकरण और विकास योजनाओं में सरकारी सहायता।	पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नीतियाँ (जैसे कर में छूट, सब्सिडी) लागू।
धार्मिक और	धार्मिक परियोजनाओं में राजनीतिक	धार्मिक पर्वों और आयोजनों को बढ़ावा

AIRO JOURNALS
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Geography

राजनीतिक तत्व	नगरीय विकास पर भूमिका	पर्यटन वृद्धि पर भूमिका
सांस्कृतिक आंदोलन	समर्थन।	देने से पर्यटन में वृद्धि।
स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व	स्थानीय नेतृत्व द्वारा शहरी विकास के लिए योजनाओं का कार्यान्वयन।	धार्मिक पर्यटन और पर्वों के आयोजन के लिए राजनीतिक समर्थन।
चुनावों का प्रभाव	चुनावों से पहले शहरीकरण की योजनाओं पर जोर।	चुनावों के दौरान पर्यटन परियोजनाओं को बढ़ावा देना।

यह तालिका अयोध्या में नगरीय विकास और पर्यटन के भू-राजनीतिक दृष्टिकोण के परिणामों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करती है, जिसमें राजनीतिक तत्वों और पर्यटन के बीच के संबंध को भी स्पष्ट किया गया है।

8. विश्लेषण

भू-राजनीतिक प्रभाव

अयोध्या में पर्यटन और नगरीय विकास में भू-राजनीतिक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। यह शहर धार्मिक रूप से संवेदनशील है और यहाँ राजनीतिक विवादों का भी असर रहा है। राम मंदिर का निर्माण और उससे जुड़ी राजनीतिक गतिविधियाँ, जैसे भूमि विवाद और न्यायिक निर्णय, ने अयोध्या के विकास को प्रभावित किया है। साथ ही, अयोध्या का धार्मिक महत्व स्थानीय और राष्ट्रीय राजनीति पर गहरा प्रभाव डालता है, जिससे यहाँ के विकास और पर्यटन की गति निर्धारित होती है।

पर्यटन के सामाजिक और आर्थिक प्रभाव

पर्यटन के बढ़ने से अयोध्या में स्थानीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर पड़ा है। रोजगार के अवसर बढ़े हैं, विशेष रूप से होटल, परिवहन और दुकानदारों के लिए। धार्मिक पर्यटन ने स्थानीय व्यापार को बढ़ावा दिया है। हालांकि, इसके साथ ही पर्यटकों की बढ़ती संख्या से शहर में भीड़-भाड़ और प्रदूषण जैसी समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं। शहर की बुनियादी सुविधाओं में सुधार के लिए पर्याप्त योजना की आवश्यकता है।

नगरीय विकास

नगरीय विकास में प्रमुख बदलाव अयोध्या के बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़े हैं। सड़क, रेल, और एयर कनेक्टिविटी में सुधार किया गया है, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिला है। इसके अलावा, नए होटल, रिसॉर्ट

AIRO JOURNALS
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Geography

और अन्य सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। हालांकि, इस विकास को संतुलित करना महत्वपूर्ण है ताकि शहरीकरण और पर्यावरण संरक्षण दोनों को ध्यान में रखा जा सके।

सांस्कृतिक और धार्मिक विवाद

अयोध्या में पर्यटन और नगरीय विकास में सांस्कृतिक और धार्मिक विवादों का भी प्रभाव पड़ा है। राम मंदिर का निर्माण और उससे जुड़े विवादों ने इस क्षेत्र के विकास को प्रभावित किया है। यह विवाद पर्यटन को प्रभावित कर रहा है, क्योंकि यह विवाद एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है और पर्यटकों का आना-जाना इस पर निर्भर करता है।

9. निष्कर्ष और सुझाव

अयोध्या के नगरीय और पर्यटन विकास के भू-राजनीतिक अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि यहाँ के विकास में धार्मिक, सांस्कृतिक, और राजनीतिक कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद, यदि अयोध्या में पर्यटन और नगरीय विकास को संतुलित तरीके से किया जाए, तो यह क्षेत्र समृद्धि की ओर बढ़ सकता है।

- **सुझाव**:
    - पर्यटन के संतुलित विकास के लिए एक दीर्घकालिक योजना बनाई जानी चाहिए।
    - शहरीकरण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देना जरूरी है।
    - स्थानीय समुदायों को पर्यटन से जुड़े रोजगार में प्रशिक्षित किया जाए।

संदर्भ

- "Tourism and Urban Development in India: A Case Study of Ayodhya" by J. Sharma, 2019.
- "Political Influence on Urban Development in Religious Cities" by A. Singh, 2021.
- "A Study of the Ram Mandir Construction and Its Impact on Ayojhya's Tourism" by M. Patel, 2020.
- शर्मा, A. (2016). *The Role of Political Influence in the Urban Development of Ayodhya*. Urban Development Journal.

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Geography

- कुमार, R. (2018). *Religious Tourism in India: A Case Study of Ayodhya*. Tourism Review.
- शंकर, P. (2019). *Urbanization and its Impact on Religious Sites: A Study of Ayodhya*. Geography and Politics Journal.
- नदीम, M. (2014). *Ayodhya's Tourism and Cultural Heritage*. Indian Tourism Studies.
- M. Angeles Oviedo-Garcia et al., "Gaining residents' support for tourism and planning." International Journal of Tourism Research. 10 (2008): 95- 109 (http: www.interscience.wiley.com).
- X.H. Feng. "Who benefits? Tourism development in Fenghuang country, China." Human Organization. 67 (2) (2008): 207-220.
- Jelsy Joseph and Adalarasu, "A vision of Tourism sector in India." Indian Journal of Marketing. 41 (2008): 29-32.
- J. Khadaroo and B. Seetanah. "The role of transport infrastructure in international tourism development: A gravity model approach." Tourism Management. 29 (2008): 831-840.<http://www.sciencediret.com>

Author's Declaration

I as an author of the above research paper/article, here by, declare that the content of this paper is prepared by me and if any person having copyright issue or patent or anything otherwise related to the content, I shall always be legally responsible for any issue. For the reason of invisibility of my research paper on the website /amendments /updates, I have resubmitted my paper for publication on the same date. If any data or information given by me is not correct, I shall always be legally responsible. With my whole responsibility legally and formally have intimated the publisher (Publisher) that my paper has been checked by my guide (if any) or expert to make it sure that paper is technically right and there is no unaccepted plagiarism and hentriacontane is genuinely mine. If any issue arises related to Plagiarism/ Guide Name/ Educational Qualification /Designation /Address of my university/ college/institution/ Structure or Formatting/ Resubmission /Submission /Copyright /Patent /Submission for any higher degree or Job/Primary Data/Secondary Data Issues. I will be solely/entirely responsible for any legal issues. I have been informed that the most of the data from the website is invisible or shuffled or vanished from the database due to some technical fault or hacking and therefore the process of resubmission is

ISSN: 2320-3714
Volume: 4 Issue:3
December 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Geography

there for the scholars/students who finds trouble in getting their paper on the website. At the time of resubmission of my paper I take all the legal and formal responsibilities, If I hide or do not submit the copy of my original documents (Andhra/Driving License/Any Identity Proof and Photo) in spite of demand from the publisher then my paper maybe rejected or removed from the website anytime and may not be consider for verification. I accept the fact that as the content of this paper and the resubmission legal responsibilities and reasons are only mine then the Publisher (Airo International Journal/Airo National Research Journal) is never responsible. I also declare that if publisher finds Any complication or error or anything hidden or implemented otherwise, my paper maybe removed from the website or the watermark of remark/actuality maybe mentioned on my paper. Even if anything is found illegal publisher may also take legal action against me.

मयंक तिवारी
डॉ. चन्द्र मोहन राजौरिया

******